Fin 17
Notional Expenses
सैद्धान्तिक खर्च

सैद्धान्तिक खर्च ऐसा खर्च है जो व्यक्ती अपने आपसे करता है ।
संस्था की खुद की जगह है और चार प्रोजेक्टस् चलते है । अगर हर एक प्रोजेक्ट के फंड से आप रु. 20,000/- प्रति माह ''भाडा'' देते है तो ये सैद्धान्तिक खर्च है । प्रोजेक्ट के अकांउट में ये रुपया खर्चा हुआ ऐसा दिखेगा लेकिन सच में ये रुपया प्रोजेक्ट के अकाउंट से संस्था के कॉर्पस के अकांउट में ट्रान्सफर हुआ है।
अगर आप संस्था के वाहन का उपयोग करते है और प्रोजेक्ट से रु. 19/- प्रती किलोमीटर खर्चा लेते है तो ये भी सैद्धान्तिक खर्च है।
सैद्धान्तिक खर्चे में पैसा संस्था के एक पॉकेट से दुसरे पॉकेट में जाता है ।
आजकल स्वयंसेवी संस्थाएँ इस तरीके के व्यवहार करती है । लेकिन नीतिशास्त्र इस बात को कैसे देखता है ये समझना जरूरी है ।
सैद्धान्तिक खर्चे में ''व्यवहार में पारदर्शकता'' होने का मुद्दा दुर्लक्षित होता है ।
एक अच्छा व्यवहार करने के लिये दाता को जानकारी दे के उसकी सहमतीसे आप ''ॲडमिनिस्ट्रेटीव्ह चार्ज'' ले सकते है । ये चार्जेस ऐसे नहीं होने चाहिये की जिससे आप संस्था के लिये धन जमा कर रहे हो ।